IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 1 of 44 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

एमएसओई-001

(हिन्दी माध्यम)

FROM PREVIOUS YEAR PAPER's

IMPORTANT QUESTION ANSWER's

Guess Paper / Exam Notes

By India's No.1 - Mother Publication

FOR MORE PDF 9485943709

Disclaimer for Guess / Sample Paper By MOTHER NOTES- 8529719732, 99922-90905: -

This PDF contains sample papers compiled from previous years' questions of the IGNOU It is intended to provide you with a general idea of the paper format and may cover some potential questions. However, it is important to note the following:

1. **No Guarantee of Exam Questions:** We do not guarantee that the questions presented in this sample paper will appear in your actual exams. The content is for practice purposes only.
2. **Book Study Recommended:** To achieve good marks in your IGNOU exams, it is highly recommended that you thoroughly study the prescribed course materials and textbooks. Relying solely on this sample paper may not be sufficient for exam success.
3. **Use as a Study Aid:** Use this sample paper as a supplementary study aid to test your knowledge and exam preparedness.
4. **Self-Responsibility:** Your performance in exams is your responsibility, and success depends on your dedication to studying the course material.

We wish you the best of luck with your IGNOU exams. Thank you for using this sample paper as part of your preparation. **By MOTHER NOTES- 8529719732, 99922-90905**

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 2 of 44 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

खंड—I

20 अंकों के प्रश्न - प्रत्येक 500-600 शब्द

प्रश्न - शिक्षा पर समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण पर चर्चा करें।

उत्तर- एजुकेशन एक बुनियादी सोशल संस्था है जो लोगों और समाज को बनाने में अहम भूमिका निभाती है। सोशियोलॉजिकल नज़रिए से, एजुकेशन सिर्फ़ ज्ञान और स्किल्स हासिल करने का प्रोसेस नहीं है, बल्कि यह सोशल स्ट्रक्चर में गहराई से जुड़ी हुई है, जो सोशल रिश्तों, मूल्यों और असमानताओं को दिखाती है और उन पर असर डालती है। सोशियोलॉजिस्ट एजुकेशन की स्टडी यह समझने के लिए करते हैं कि यह समाज को बनाए रखने और बदलने में कैसे मदद करती है।

कार्यात्मक दृष्टिकोण

टैल्कॉट पार्सन्स जैसे फंक्शनलिस्ट सोशियोलॉजिस्ट , समाज की स्थिरता और सुचारू कामकाज के लिए शिक्षा को ज़रूरी मानते हैं। दुर्खीम के अनुसार, शिक्षा समाजीकरण के लिए एक तरीका है, जो समाज के नियमों, मूल्यों और संस्कृति को युवा पीढ़ी तक पहुंचाती है। स्कूल बच्चों को अनुशासन, सहयोग और अधिकारियों का सम्मान करना सिखाते हैं, जो सामाजिक एकता के लिए ज़रूरी हैं।

पार्सन्स ने इस बात पर ज़ोर दिया कि शिक्षा परिवार और समाज के बीच एक पुल का काम करती है। यह बच्चों को एक मेरिटोक्रेटिक सिस्टम से इंट्रोड्यूस कराती है जहाँ लोगों को स्टेटस के बजाय उनकी काबिलियत और मेहनत के आधार पर इनाम दिया जाता है। फंक्शनलिस्ट शिक्षा के ज़ाहिर और छिपे हुए कामों पर भी ज़ोर देते हैं। ज़ाहिर काम में ज्ञान और स्किल देना शामिल है, जबकि छिपे हुए कामों में सोशल नेटवर्क बनाना, कल्चरल इंटीग्रेशन और सोशल प्लेसमेंट शामिल हैं।

संघर्ष परिप्रेक्ष्य

गिंटिस से जुड़े टकराव के नज़रिए का तर्क है कि शिक्षा सामाजिक असमानता को कम करने के बजाय उसे बढ़ाती है। स्कूल, बड़े सामाजिक ग्रुप के हितों को दिखाते हैं, और मौजूदा क्लास, जेंडर और नस्लीय ऊंच-नीच को मज़बूत करते हैं। इस नज़रिए के अनुसार, एजुकेशन सिस्टम अमीर बैकग्राउंड के स्टूडेंट्स को ज़्यादा रिसोर्स, बेहतर स्कूल और अच्छी क्वालिटी की पढ़ाई देकर उनका पक्ष लेते हैं।

बोल्स और गिंटिस ने अपने कॉरेस्पोंडेंस प्रिंसिपल में सुझाव दिया कि स्कूल स्टूडेंट्स को कैपिटलिस्ट इकॉनमी में अपनी भूमिकाएं स्वीकार करने के लिए तैयार करें, लेबर स्ट्रक्चर को बनाए रखने के लिए आज्ञा मानना और एक जैसा होना सिखाएं। इस तरह, शिक्षा को सोशल कंट्रोल के एक टूल के तौर पर देखा जाता है, जो मेरिटोक्रेसी की आड़ में असमानता को सही ठहराता है।

प्रतीकात्मक अंतःक्रियावादी परिप्रेक्ष्य

FOR MORE PDF-9485943709

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 3 of 44 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

ब्लूमर जैसे सिंबॉलिक इंटरैक्शनिस्ट , एजुकेशनल सेटिंग में माइक्रो-लेवल इंटरैक्शन पर फोकस करते हैं। वे यह पता लगाते हैं कि टीचर की उम्मीदें, स्टूडेंट की पहचान और क्लासरूम के डायनामिक्स सीखने और सोशलाइज़ेशन पर कैसे असर डालते हैं। "सेल्फ-फुलफिलिंग प्रोफेसी" का कॉन्सेप्ट बताता है कि अगर टीचर स्टूडेंट्स को काबिल या नाकाबिल बताते हैं, तो यह उनके एकेडमिक परफॉर्मेंस और सेल्फ-कॉन्सेप्ट पर काफी असर डाल सकता है।

सिंबॉलिक इंटरेक्शनिज़्म इस बात पर ज़ोर देता है कि एजुकेशन एक समाज द्वारा बनाई गई प्रक्रिया है जहाँ मतलब, उम्मीदें और इंटरेक्शन स्टूडेंट्स के अनुभव और नतीजों को आकार देते हैं।

सामाजिक परिवर्तन के स्थल के रूप में शिक्षा

आज के सोशियोलॉजिस्ट मानते हैं कि एजुकेशन, सोशल रिप्रोडक्शन का एक तरीका और सोशल ट्रांसफॉर्मेशन की जगह, दोनों हो सकती है। यह सोशल मोबिलिटी को बढ़ावा दे सकती है, असमानता को कम कर सकती है, और सिविक एंगेजमेंट को बढ़ावा दे सकती है। इनक्लूसिव एजुकेशन, अफरमेटिव एक्शन, और स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम जैसी पॉलिसी का मकसद एजुकेशन को ज़्यादा बराबर बनाना और मार्जिनलाइज़्ड ग्रुप्स को मज़बूत बनाना है।

निष्कर्ष

आखिर में, सोशियोलॉजिकल नज़रिया यह बताता है कि एजुकेशन सिर्फ़ सीखने के बारे में नहीं है, बल्कि यह एक ज़रूरी सोशल इंस्टीट्यूशन है जो सोशलाइज़ेशन, कोहेशन और इनइक्वालिटी पर असर डालता है। जहाँ फंक्शनलिस्ट सोशल ऑर्डर बनाए रखने में इसके रोल पर ज़ोर देते हैं, वहीं कॉन्फ्लिक्ट थ्योरिस्ट इनइक्वालिटी को बनाए रखने में इसके रोल की आलोचना करते हैं, और इंटरेक्शनिस्ट स्कूलों के अंदर रोज़ाना की बातचीत पर ध्यान देते हैं। इन नज़रियों को समझने से पॉलिसी बनाने वालों, शिक्षकों और समाज को चुनौतियों का सामना करने और एक बदलाव लाने वाली ताकत के तौर पर एजुकेशन की क्षमता का इस्तेमाल करने में मदद मिलती है।

प्रश्न - शिक्षा पर कार्यात्मकतावादियों और संघर्षवादियों के दृष्टिकोणों की तुलना करें।

उत्तर- एजुकेशन एक बड़ी सोशल संस्था है जो लोगों को बनाने और समाज को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है। सोशियोलॉजिस्ट ने एजुकेशन के रोल और काम को अलग-अलग थ्योरेटिकल नज़रिए से समझा है। दो सबसे असरदार नज़रिए हैं **फंक्शनलिस्ट नज़रिया** और **कॉन्फ्लिक्ट नज़रिया**। जहाँ फंक्शनलिस्ट एजुकेशन को एक ऐसे सिस्टम के तौर पर देखते हैं जो समाज की स्टेबिलिटी और स्मूद फंक्शनिंग में मदद करता है, वहीं कॉन्फ्लिक्ट थ्योरिस्ट का कहना है कि एजुकेशन गैर-बराबरी को बढ़ाती है और बड़े ग्रुप्स के हितों को पूरा करती है। नीचे दी गई तुलना उनके मुख्य आइडिया, समानताओं और अंतरों को दिखाती है।

शिक्षा पर कार्यात्मक दृष्टिकोण

टैल्कॉट पार्सन्स जैसे फंक्शनलिस्ट इस बात पर ध्यान देते हैं कि शिक्षा कैसे सामाजिक व्यवस्था और मेलजोल बनाए रखती है। उनके अनुसार, शिक्षा कई ज़रूरी काम करती है:

1. **सोशलाइज़ेशन :**
   शिक्षा साझा नियम, मूल्य, सांस्कृतिक विश्वास और एक आम राष्ट्रीय पहचान सिखाती है, जो लोगों को समाज में जोड़ने में मदद करती है।
2. **स्किल डेवलपमेंट :**
   स्कूल इकॉनमी में अलग-अलग रोल के लिए ज़रूरी नॉलेज, वोकेशनल ट्रेनिंग और टेक्निकल स्किल्स देते हैं। इससे यह पक्का होता है कि लोग वर्कफोर्स में प्रोडक्टिव तरीके से योगदान देने के लिए तैयार हैं।
3. **रोल एलोकेशन और मेरिटोक्रेसी :**
   पार्सन्स का मानना था कि एजुकेशन लोगों को उनकी काबिलियत और टैलेंट के हिसाब से चुनती है, जिससे यह पक्का होता है कि सबसे काबिल लोग सबसे ज़रूरी पोस्ट पर हों। यह मेरिटोक्रेसी के प्रिंसिपल पर आधारित है, जहाँ अचीवमेंट-बेस्ड असेसमेंट से सफलता तय होती है।
4. **सामाजिक एकता और स्थिरता :**
   सहयोग, अनुशासन और कानूनों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देकर, शिक्षा समाज की पूरी स्थिरता और कामकाज में मदद करती है।

FOR MORE PDF 9485943709
All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 4 of 44 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

इस तरह, फंक्शनलिस्ट नज़रिया इस बात पर ज़ोर देता है कि शिक्षा समाज के सभी सदस्यों को फ़ायदा पहुँचाती है और सही मुक़ाबले और मौकों के ज़रिए बराबरी को बढ़ावा देती है।

शिक्षा पर संघर्ष का परिप्रेक्ष्य

कार्ल मार्क्स और बाउल्स एंड गिंटिस जैसे कॉन्फ्लिक्ट थ्योरिस्ट एक अलग एनालिसिस देते हैं। उनका तर्क है कि शिक्षा न्यूट्रल नहीं है, बल्कि पावर रिलेशन पर असर डालती है:

1. **सामाजिक असमानता की पुनरावृत्ति :**
   स्कूल क्लास के अंतर को बनाए रखते हैं और रूलिंग या एलीट क्लास का दबदबा बनाए रखते हैं। अमीर बैकग्राउंड के स्टूडेंट्स को बेहतर मौके मिलते हैं, जबकि निचले तबके के स्टूडेंट्स को भेदभाव का सामना करना पड़ता है और अच्छी शिक्षा तक उनकी पहुंच कम होती है।
2. **कॉरेस्पोंडेंस प्रिंसिपल :**
   बाउल्स और गिंटिस बताते हैं कि स्कूल का स्ट्रक्चर वर्कप्लेस हायरार्की जैसा होता है: बात मानना, डिसिप्लिन और अथॉरिटी का सम्मान क्रिएटिविटी से ज़्यादा ज़रूरी है। यह वर्किंग क्लास के स्टूडेंट्स को कैपिटलिस्ट इंडस्ट्रीज़ में सबऑर्डिनेट पोस्ट के लिए तैयार करता है।
3. **कल्चरल कैपिटल : पियरे**
   बॉर्डियू के अनुसार , अमीर परिवारों के बच्चों को भाषा, कॉन्फिडेंस और व्यवहार जैसे कल्चरल रिसोर्स विरासत में मिलते हैं जो स्कूल की उम्मीदों से मेल खाते हैं। इससे उन्हें पिछड़े ग्रुप्स के मुकाबले गलत फायदा मिलता है।
4. **आइडियोलॉजिकल कंट्रोल :**
   शिक्षा हावी आइडियोलॉजी को फैलाती है और मौजूदा असमानताओं को नेचुरल और ज़रूरी दिखाकर उन्हें सही ठहराती है।

इस तरह, कॉन्फ्लिक्ट थ्योरिस्ट का तर्क है कि शिक्षा ताकतवर लोगों के हितों का समर्थन करती है और असमानता के चक्र को कम करने के बजाय उसे जारी रखती है।

मुख्य अंतर

आधार	कार्यात्मक दृष्टिकोण	संघर्ष परिप्रेक्ष्य
समाज का दृष्टिकोण	सद्भाव, स्थिरता	प्रतिस्पर्धा, असमानता
शिक्षा का उद्देश्य	सामाजिक एकीकरण, योग्यता-आधारित गतिशीलता	वर्ग पुनरुत्पादन, वैचारिक नियंत्रण
लाभार्थियों	संपूर्ण समाज	प्रमुख समूह

FOR MORE PDF-9485943709

ALL SOLVED ASSIGNMENT, GUESS PAPER, PROJECT -
HAND WRITTEN SCAN PDF, HARDCOPY BY POST
ORDER- ON WHATSAPP MSG- 8529719732, 99922-90905
OR VISIT- motherpublication.in / mothernotes.in

प्रश्न - सामाजिक नियंत्रण में शिक्षा की भूमिका पर चर्चा करें।

उत्तर- शिक्षा किसी व्यक्ति के व्यवहार को बनाने, सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने और सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने का एक शक्तिशाली ज़रिया है। सोशल कंट्रोल का मतलब उन तरीकों, रणनीतियों और संस्थाओं से है जिनके ज़रिए समाज व्यक्ति और ग्रुप के व्यवहार को रेगुलेट करता है, और यह पक्का करता है कि वे तय नियमों, कानूनों और नैतिक मानकों के मुताबिक हों। इस प्रोसेस में शिक्षा एक अहम भूमिका

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 5 of 44 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

निभाती है, जो व्यवहार को गाइड करने और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के एक औपचारिक और अनौपचारिक तरीके के तौर पर काम करती है।

सामाजिक मानदंडों और मूल्यों का संचरण

एजुकेशन जिस तरह से सोशल कंट्रोल में मदद करती है, उसका एक मुख्य तरीका है सोशल नॉर्म्स, वैल्यूज़ और एथिक्स को आगे बढ़ाना। स्कूल, कॉलेज और दूसरे एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन ऐसे प्लेटफॉर्म हैं जहाँ बच्चे और जवान लोग न सिर्फ़ एकेडमिक नॉलेज सीखते हैं, बल्कि समाज की उम्मीदें भी सीखते हैं। उदाहरण के लिए, ईमानदारी, डिसिप्लिन, सम्मान और सहयोग के सबक नैतिक वैल्यूज़ सिखाते हैं जो व्यवहार को गाइड करते हैं। करिकुलम, स्कूल के नियमों और टीचर-स्टूडेंट के बीच बातचीत के ज़रिए, एजुकेशन यह पक्का करती है कि समाज में क्या सही है और क्या नहीं, जिससे गलत व्यवहार कम होता है और सामाजिक मेलजोल बढ़ता है।

आत्म-अनुशासन और जिम्मेदारी का विकास

एजुकेशन लोगों में सेल्फ-डिसिप्लिन और ज़िम्मेदारी की भावना भी पैदा करती है, जो सोशल कंट्रोल के लिए ज़रूरी हैं। रेगुलर अटेंडेंस, डेडलाइन का पालन और क्लास के नियमों का पालन करने से स्टूडेंट्स को अपनी मर्ज़ी से अपने व्यवहार को रेगुलेट करना सिखाया जाता है। डिसिप्लिन को इस तरह से अपनाने से कानून लागू करने या सज़ा देने जैसे बाहरी तरीकों पर निर्भरता कम हो जाती है। सेल्फ-रेगुलेटिंग और ज़िम्मेदार लोगों को बनाकर, एजुकेशन यह पक्का करती है कि समाज के सदस्य सोशल स्टेबिलिटी और कलेक्टिव वेलफेयर में पॉजिटिव योगदान दें।

सामाजिककरण और सांस्कृतिक एकीकरण

एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन सोशलाइज़ेशन के मुख्य एजेंट के तौर पर काम करते हैं, जो लोगों को समाज की भूमिकाओं को समझने और बड़े समुदाय में घुलने-मिलने में मदद करते हैं। स्कूल स्टूडेंट्स को अलग-अलग सोशल ग्रुप से मिलवाते हैं, जिससे सहनशीलता, सहयोग और आपसी सम्मान को बढ़ावा मिलता है। मल्टीकल्चरल समाजों में, डेमोक्रेटिक मूल्यों, बराबरी और मानवाधिकारों को सिखाकर झगड़े कम करने में शिक्षा एक अहम भूमिका निभाती है। एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज़, सिविक एजुकेशन और पार्टिसिपेटरी लर्निंग के ज़रिए, स्टूडेंट्स सीखते हैं कि सोशल सिस्टम में कैसे काम करना है और दूसरों के साथ अच्छे से कैसे बातचीत करनी है, जिससे छोटे और बड़े, दोनों लेवल पर सोशल कंट्रोल मज़बूत होता है।

नागरिकता और कानून पालन की तैयारी

शिक्षा लोगों को कानूनों, नागरिक कर्तव्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी देती है, जिससे कानून मानने वाले नागरिक बनते हैं। नागरिक शिक्षा, कानूनी साक्षरता प्रोग्राम और नैतिक ट्रेनिंग लोगों को समाज के नियमों को तोड़ने के नतीजों को समझने में मदद करती है। जागरूक नागरिक समाज में स्वीकार्य व्यवहार करने, सरकारी संस्थाओं का सम्मान करने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में रचनात्मक रूप से हिस्सा लेने की ज़्यादा संभावना रखते हैं। यह प्रोएक्टिव तरीका सामाजिक भेदभाव को कम करता है और समाज में स्थिरता को बढ़ाता है।

सामाजिक विचलन को कम करना

असमानताओं को दूर करके और आगे बढ़ने के मौके देकर, शिक्षा अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक अशांति और अपराध को रोकती है। अच्छी शिक्षा मिलने से लोगों को स्किल, ज्ञान और जागरूकता मिलती है, जिससे गरीबी, बेरोज़गारी और समाज में अलग-थलग पड़ना कम होता है – ये वजहें अक्सर गलत व्यवहार से जुड़ी होती हैं। स्कूल काउंसलिंग, साथियों का सपोर्ट और नैतिक मार्गदर्शन भी देते हैं, जिससे जोखिम में पड़े लोगों को समाज के नियमों के हिसाब से चलने में मदद मिलती है।

कुल मिलाकर, शिक्षा मूल्यों को आगे बढ़ाकर, सेल्फ-डिसिप्लिन को बढ़ावा देकर, लोगों को समाज में जोड़कर, कानून मानने वाले व्यवहार को बढ़ावा देकर और गलतफहमियों को कम करके सोशल कंट्रोल की नींव का काम करती है। इसकी भूमिका रोकथाम और बनाने वाली दोनों है, यह पक्का करती है कि लोग समाज के नियमों को अपनाएं और सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने में मदद करें। शिक्षा के बिना, सिर्फ़ कंट्रोल के औपचारिक तरीके एक स्थिर और एकजुट समाज को बनाए रखने के लिए काफ़ी नहीं होंगे।

प्रश्न - सकारात्मक भेदभाव और शैक्षिक संस्थानों तक पहुंच के बीच संबंधों की आलोचनात्मक जांच करें।

FOR MORE PDF-9485943709

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU MOTHER PUBLICATION - ASSIGNMENTS & GUESS PAPERS & PYQ SOLVED PDF

INDIA'S NUMBER 1 STUDY MATERIAL PROVIDER

यह केवल एक सैंपल पीडीएफ है।

यह केवल Sample PDF है। पूरी Solved Assignment या Guess Paper PDF खरीदने के लिए हमारी वेबसाइट पर जाएँ

या

WhatsApp पर मैसेज करें।

WHATSAPP ONLY: +91 9485943709

WHATSAPP ONLY:: +91 9992290905

1. Solved Assignment Visit -:: https://motherpublication.in/

2. Pyq Solved Guess paper Visit:-: https://mothernotes.in/

Mother Publication • IGNOU Study Resources